भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2462

उत्तर देने की तारीख 03.08.2026

मुम्बई की विविध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना

2462. श्री संजय दिना पाटील:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश की सांस्कृतिक धरोहर के भाग के रूप में मुंबई की विविध सांस्कृतिक परंपराओं, प्रदर्शन कलाओं, साहित्य, रंगमंच, संगीत तथा सिनेमा को बढ़ावा देने हेतु कोई विशेष पहल शुरू की है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान मुंबई स्थित कलाकारों, सांस्कृतिक संस्थानों, संग्रहालयों तथा धरोहर संगठनों को प्रदान किए गए अनुदानों, अध्येतावृत्तियों तथा वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने मुंबई में निवासरत मराठी, कोंकणी, कोली तथा अन्य मूल समुदायों की सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और बढ़ावा देने हेतु कोई कार्यक्रम कार्यान्वित किए हैं; और

(घ) मुंबई की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उसके प्रदर्शन हेतु अतिरिक्त सांस्कृतिक अवसंरचना, डिजिटल अभिलेखागार स्थापित करने तथा जन-जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने हेतु किए गए अथवा प्रस्तावित उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): जी हाँ, सरकार अपने स्वायत्त संगठनों और सांस्कृतिक केंद्रों के माध्यम से मुंबई की विविध सांस्कृतिक परंपराओं, रंगमंच, संगीत और सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए आरएसएम, वेव्स,

छत्रपति शिवाजी महाराज राज्याभिषेक महोत्सव, राष्ट्रीय वसंत नाट्योत्सव और अन्य सांस्कृतिक उत्सवों जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करती है। मुंबई की नाट्य प्रस्तुतियों को राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी प्रदर्शित किया जाता है। इसके अलावा, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) ने रंगमंच शिक्षा का विस्तार करने, स्थानीय प्रतिभाओं को निखारने और रंगमंच व मुंबई के फिल्म और मनोरंजन उद्योग के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए नवंबर 2025 में अपने मुंबई केंद्र की स्थापना की।

(ख): पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (डब्ल्यूजेडसीसी) सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों और अन्य संस्थानों के साथ सहयोग करता है, किंतु सीधे अनुदान प्रदान नहीं करता है। दक्षिण-मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एससीजेडसीसी) ने अपनी स्कीमों के तहत मुंबई के कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की है और पद्म पुरस्कारों तथा अन्य सम्मानों के लिए कलाकारों की सिफारिश की है। पात्र रंगमंच कलाकार पात्रता के अधीन एनएसडी स्कीमों के तहत छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति का लाभ उठाते हैं। विगत तीन वर्षों के दौरान संग्रहालय अनुदान स्कीम के तहत मुंबई के संग्रहालयों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता इस प्रकार है:

वित्तीय वर्ष	**संग्रहालय/संगठन**	**जारी की गई राशि (लाख रुपए में)**
2023-24	फंड्स एंड प्रॉपर्टीज ऑफ द पारसी पंचायत बॉम्बे, फ्रामजी दादाभाई अलपईवाला म्यूजियम, मुंबई	64.48
2024-25	फंड्स एंड प्रॉपर्टीज ऑफ द पारसी पंचायत बॉम्बे, फ्रामजी दादाभाई अलपईवाला म्यूजियम, मुंबई	100.00
2025-26		-

(ग): सरकार विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से मराठी, कोंकणी, कोली और अन्य पारंपरिक कला रूपों को बढ़ावा देती है। दक्षिण-मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र कोली नृत्य और मराठी संगीत नाटक प्रस्तुत करता है, जबकि पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र महाराष्ट्र के लावणी, गोंधल, पोवाड़ा, भारूड़, वाग्या मुरली जैसे कला रूपों और लोक रंगमंच को मंच प्रदान करता है। साहित्य अकादेमी अपने साहित्यिक पुरस्कारों और भाषा विकास पहलों के माध्यम से मराठी और कोंकणी भाषाओं को बढ़ावा देती है। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रम, रेपर्टरी प्रस्तुतियों, भारत रंग महोत्सव, कार्यशालाओं और आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से भारत के विविध क्षेत्रीय, लोक और पारंपरिक रंगमंच रूपों को बढ़ावा देता है।

(घ): मंत्रालय सांस्कृतिक अवसंरचना को मजबूत करने के लिए स्टूडियो थिएटर सहित भवन अनुदान के लिए वित्तीय सहायता स्कीम संचालित करता है। विगत तीन वर्षों के दौरान मुंबई के संगठनों को जारी की गई वित्तीय सहायता इस प्रकार है:

संगठन	जारी की गई वित्तीय सहायता
द कंपनी थिएटर, मुंबई	वर्ष 2024-25 में 10.00 लाख रुपए (पहली किस्त) और वर्ष 2025-26 में 14.065 लाख रुपए (दूसरी और अंतिम किस्त)
नालंदा डांस रिसर्च सेंटर, मुंबई	वर्ष 2024-25 में 15.00 लाख रुपए (दूसरी और अंतिम किस्त) (वर्ष 2017-18 में 10.00 लाख रुपए की पहली किस्त जारी की गई थी)

इसके अलावा, नवंबर 2025 में स्थापित एनएसडी मुंबई केंद्र ने क्षेत्र में रंगमंच के बुनियादी ढांचे और शिक्षा को सुदृढ़ किया है। साथ ही, मंत्रालय और इसके संगठन देश भर में प्रलेखन, आउटरीच और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से मुंबई की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा दे रहे हैं।

*****